अभ्यास पत्रक

पाठ – पद (मीराबाई)

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. काव्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"हरि तुम हरो जन की पीर।
जन के जात जपत हरि नाम, बिघन नाहीं पीर।
गजधर गजराज तार्यो, आप बचायो तीर।
मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, हरो म्हारी पीर।"

1. कवयित्री श्रीकृष्ण से क्या विनती करती हैं?

उत्तर - .....
.....

2. 'गजधर गजराज तार्यो' पंक्ति का तात्पर्य क्या है?

उत्तर - .....
.....

3. 'मीराँ के प्रभु गिरधर नागर' – इस संबोधन से कवयित्री की कौन-सी भावना प्रकट होती है?

उत्तर - .....
.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** मीराबाई ने श्रीकृष्ण को अपने प्रियतम के रूप में स्वीकार किया है।
   कारण: उन्होंने सामाजिक बंधनों से ऊपर उठकर भक्ति की।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** मीराबाई के पदों में केवल लोकवाणी है, आध्यात्मिकता नहीं।
   कारण: वे केवल भक्तों की लीलाओं का वर्णन करती हैं।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. मीराबाई किस भक्ति शाखा से संबंधित हैं?
   (क) ज्ञानमार्ग (ख) सगुण भक्ति (ग) निर्गुण भक्ति (घ) योगमार्ग

7. 'हरो म्हारी पीर' में कवयित्री की कौन-सी वृत्ति प्रकट होती है?
   (क) उपेक्षा (ख) याचना (ग) घृणा (घ) प्रश्न

8. मीराबाई ने अपने पदों में किसके प्रति प्रेम व्यक्त किया है?
   (क) राम (ख) शिव (ग) कृष्ण (घ) विष्णु

9. मीराबाई का पद किस भाषा में लिखा गया है?
   (क) संस्कृत (ख) ब्रज मिश्रित राजस्थानी
   (ग) खड़ी बोली (घ) गुजराती

10. मीराबाई की भक्ति में कौन-सा रस प्रमुख है?
    (क) रौद्र रस (ख) श्रृंगार रस (ग) शांत रस (घ) भक्ति रस

eGyanArchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. मीराबाई किन प्रसंगों का उल्लेख कर श्रीकृष्ण से अपनी पीड़ा दूर करने की बात करती हैं?

उत्तर - .....

.....

.....

12. 'बिघन नाहीं पीर' – इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

13. मीराबाई की रचना शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. मीराबाई की रचनाओं में कृष्ण भक्ति का स्वर कैसे प्रकट होता है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "मीराबाई की कविता भक्ति, प्रेम, समर्पण और साहस का सजीव चित्र है" – इस कथन की पुष्टि उदाहरण सहित कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. वे श्रीकृष्ण से अपनी पीड़ा को हरने की प्रार्थना करती हैं।
2. श्रीकृष्ण ने गजराज को मगरमच्छ से बचाया था – उसी की ओर संकेत है।
3. यह पूर्ण समर्पण, अधिकार और निजी संबंध का भाव दर्शाता है।
4. (क)
5. (घ)
6. (ख)
7. (ख)
8. (ग)
9. (ख)
10. (घ)

11.

- गजराज की रक्षा
- भक्तों की पीड़ा हरने की लीलाएँ
- पीड़ित की पुकार पर श्रीकृष्ण का त्वरित उत्तर

12. जो भक्त श्रीकृष्ण का नाम जपते हैं, उन्हें जीवन में कोई कष्ट या विघ्न नहीं होता – यह विश्वास है।

13.

- लोक शैली और बोलचाल की भाषा का प्रयोग
- आत्मिक भावों की गहराई और भक्ति की व्यंजना

14. मीराबाई की रचनाओं में श्रीकृष्ण के प्रति अत्यंत भावपूर्ण भक्ति प्रकट होती है। उन्होंने उन्हें केवल आराध्य ही नहीं, प्रियतम, स्वामी और सखा के रूप में भी देखा है। वे अपने पदों में श्रीकृष्ण से संवाद करती हैं – कभी याचना, कभी शिकायत, कभी पूर्ण समर्पण के साथ। वे श्रीकृष्ण की लीलाओं का स्मरण कर उनसे अपनी पीड़ा हरने की प्रार्थना करती हैं। उनके पदों में भावुकता, भक्ति और व्यक्तिगत अनुभूति की गहराई है।

15. मीराबाई की कविता केवल भक्तिरस से ओतप्रोत नहीं, वह साहस और समर्पण की मिसाल भी है। उन्होंने समाज, परिवार और राजघराने की मर्यादाओं से ऊपर उठकर श्रीकृष्ण को अपना सर्वस्व मान लिया। उनके पदों में श्रीकृष्ण के प्रति अगाध प्रेम, आत्मिक जुड़ाव और समर्पण झलकता है। वे अपने दुःखों के बीच भी केवल कृष्ण का स्मरण करती हैं – न कोई शिकायत, न मोह। उन्होंने गजराज की रक्षा, प्रह्लाद की रक्षार्थ नरसिंह रूप आदि लीलाओं का स्मरण कर अपनी पीड़ा कहने का माध्यम बनाया। उनकी कविता में भक्ति ही नहीं, अपने विश्वास के लिए दुनिया से टकराने का साहस भी है – यही उनकी रचनाओं को कालजयी बनाता है।